ISSN Print: 2394-7500
ISSN Online: 2394-5869
Impact Factor: 8.4
IJAR 2023; 9(1): 469-471
www.allresearchjournal.com
Received: 13-11-2022
Accepted: 22-12-2022

आसिम जफ़र
शोधार्थी, शिक्षा-शास्त्र विभाग, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय कामेश्वर नगर, दरभंगा, बिहार, भारत

डॉ. शगुफ़्ता ज़बीन
हायक प्राध्यापिका, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, ललित नारायण मिथिला यूनिवर्सिटी, कामेश्वरनगर दरभंगा, बिहार, भारत

Corresponding Author:
आसिम जफ़र
शोधार्थी, शिक्षा-शास्त्र विभाग, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय कामेश्वर नगर, दरभंगा, बिहार, भारत

उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र-चार्य छात्र-छात्राओं की कम्प्यूटर शिक्षा के अध्ययन के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन

आसिम जफ़र एवं डॉ. शगुफ़्ता ज़बीन

सारांश
उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र-चार्य छात्र-छात्राओं में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के कम्प्यूटर शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन है। प्रस्तुत परीक्षण की प्रकृति को देखते हुए इस अध्ययन में वर्णनात्मक अनुसंधान के अन्तर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है। प्रस्तुत शोध उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र-चार्य छात्र-छात्राओं की कम्प्यूटर शिक्षा के अध्ययन के प्रति अभिवृत्ति के संदर्भ में अध्ययन किया गया है। इस अध्ययन में उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र-चार्य छात्र-छात्राओं की कम्प्यूटर शिक्षा के अध्ययन अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर पाया गया एवं विभिन्न व्यक्तित्व गुणों के आधार पर छात्र एवं छात्र-छात्राओं की कम्प्यूटर अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नही पाया गया। अतः इस बात की आवश्यकता है कि छात्र-छात्राओं को भी उच्च दृष्टिकोण बनाने के लिए विशेष प्रेरित किया जाए, क्योंकि विशेष प्रेरणा द्वारा ही कम्प्यूटर शिक्षा के महत्व को सभी छात्राएं समझ सकेंगी।

कूटशब्द: माध्यमिक, छात्र-चार्य, कम्प्यूटर शिक्षा, अभिवृत्ति

प्रस्तावना
शिक्षा एवं समाज को आगे बढ़ाने में कम्प्यूटर और कम्प्यूटिंग टैक्नोलॉजी का प्रभाव अत्यन्त ही महत्वपूर्ण है। वर्तमान शिक्षा का मुख्य उद्देश्य यह है कि मानव जाति की उन्नति के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना। इसीलिए इस बात को समझा जा रहा है कि ज्ञान के इन क्षेत्रों में छात्र-चार्य छात्र-छात्राओं को पाठ्यचर्या में कम्प्यूटर शिक्षा को जगह मिलनी चाहिए। वर्तमान युग तकनीकों का युग है। जीवन का शायद ही कोई पहलू होगा जो इसके प्रभाव से अछूता हो। शिक्षा में तकनीकी की विविध उपयोगिता को देखते हुए आज अधिकतर विद्यालय तकनीकी शिक्षा की ओर अग्रसर हो रहे हैं। चूँकि शिक्षा में प्रौद्योगिकी के प्रयोग से शिक्षण की गुणवत्ता और विद्यार्थी की उपलब्धि स्तर में सुधार किया जा सकता है।

किसी भी राष्ट्र के सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, मनौवैज्ञानिक एवं व्यक्तित्व विकास में शिक्षा की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। शिक्षा केवल आर्थिक दृष्टिकोण से ही समाज को सशक्त नही बनाती वरन् मानव संसाधन का भी सर्वांगीण विकास भी करती है। शिक्षा ही आधुनिक समाज की मजबूत नींव है एवं कम्प्यूटर अभिवृत्ति किसी छात्रा का कम्प्यूटर के उपयोग एवं अनुदेशन के सम्बन्ध में कम्प्यूटर के प्रति दृष्टिकोण, आत्मविश्वास, चिन्ता एवं अभिवृत्ति से सम्बन्धित है। माध्यमिक स्तर, प्राथमिक एवं उच्च स्तर के मध्य की कड़ी है। 21 वीं सदी में ज्ञानवान एवं डिजिटलीकरण के युग में छात्र-चार्य छात्र-छात्राओं का कम्प्यूटर के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति उच्चतर माध्यमिक स्तर से ही प्रारम्भ होनी चाहिए। क्योंकि महिलाओं की तुलना में पुरूषों का कम्प्यूटर के पक्ष में झुकाव अधिक पाया गया। शोध अध्ययन में छात्र-चार्य छात्र-छात्राओं का कम्प्यूटर शिक्षा के प्रति दृष्टिकोंण का तुलनात्मक अध्ययन किया और पाया कि सभी ग्रेड में लड़कों की तुलना में लड़कियों का कम्प्यूटर शिक्षा के प्रति दृष्टिकोंण एवं रूचि अधिक पायी गयी। प्रत्येक व्यक्ति में कुछ विशेष गुण या विशेषताऐं होती हैं जो दूसरे व्यक्ति से अलग होती हैं। इन्ही गुणों एवं विशेषताओं के कारण ही प्रत्येक व्यक्ति एक दूसरे से भिन्न होता है। व्यक्ति के इन गुणों का समुच्चय ही व्यक्ति का व्यक्तित्व कहलाता है।

व्यक्तित्व एक स्थिर अवस्था न होकर एक गत्यात्मक समष्टि है जिस पर परिवेश का प्रभाव पड़ता है और इसी कारण से उसमें बदलाव आ सकता है। शोध अध्ययन में पाया कि अन्तमुखी व्यक्तित्व का कम्प्यूटर के प्रति अभिवृत्ति बहिर्मुखी व्यक्तित्व की तुलना में सकारात्मक पाया गया। व्यक्ति के आचार-विचार, व्यवहार, क्रियाएं और गतिविधियों में व्यक्ति का व्यक्तित्व झलकता है। जन साधारण में व्यक्तित्व का अर्थ व्यक्ति के बाह्य रूप से लिया जाता है परन्तु मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से व्यक्ति का व्यक्तित्व बाह्य आवरण के गुण और आन्तरिक तत्व, दोनो को माना जाता है। जी०डब्ल्यू० आलपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि- ''व्यक्तित्व, व्यक्ति के अन्दर उन मनोशारीरिक संस्थानों का गत्यात्मक संगठन है, जोवातावरण के साथ उसका अनूठा समायोजन स्थापित करता है।''

पूर्व में किये गये शोध अध्ययनों में कम्प्यूटर शिक्षा का छात्र-चार्य छात्र-छात्राओं के शैक्षिक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका के साथ-साथ उनके उपलब्धि में आवश्यक प्रतीत होता है। छात्र-छात्राओं में इन्टरनेट प्रयोग के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति पायी गयी जो कि बहुत महत्त्वपूर्ण है। इन्टरनेट प्रयोग में शैक्षिक, सांस्कृतिक उद्देश्य, मनोरंजन एवं उचित खरीददारी जैसे उद्देश्यों में किया जा रहा है। आज छात्र-छात्राओं को तकनीकी उपक्रमों के साथ खेलना, उनको समझना ज्यादा रुचिपूर्ण लगता है और इनके माध्यम से वे बेहतर तरीके से सीखने के लिए तैयार रहते हैं। ऐसे में उनके इस कौशल एवं रुचि को देखते हुए शिक्षण हेतु सही एवं उपयुक्त तकनीकी का चयन व उसका सही एवं उपयुक्त इस्तेमाल, उच्च अधिगम स्तर प्राप्त करने में सहायक हो सकता है। ऐसे में जरूरत है एक शिक्षक का इस आवश्यकता को समझना व सही एवं सटीक तरीकों द्वारा इन सभी बातों को लागू करना। उनकी खुद की कुशलता एवं रुचि एक बड़ा सवाल हो सकता है। परन्तु समय के साथ-साथ शिक्षण में आ रहे बदलाव और नवाचार में खुद को ढालना शिक्षक के लिए अनिवार्य हो जाता है।

आजकल विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रम चलाये जा रहे हैं। इन प्रमुख पाठ्यक्रमों, विभिन्न प्रकार के व्यवसायों की शिक्षा दी जा रही है। इन व्यवसायों मे से एक प्रमुख व्यवसाय कम्प्यूटर शिक्षा के क्षेत्र में व्यवसाय है। कम्प्यूटर शिक्षा के क्षेत्र में अधिक से अधिक रोजगार की संभावना को देखते हुए आज के युग में प्रत्येक अभिभावक यही सोचना है कि उसके बच्चे कम्प्यूटर शिक्षा कब से सीखें और इस शिक्षा को ग्रहण करके वह कम्प्यूटर इंजीनियर, कम्प्यूटर व्यवसायी या कम्प्यूटर से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में उच्च पदों पर आसीन हो। समाज में उनका सम्मान बढ़े, इसलिए वह शुरू से ही अपने बच्चे को कम्प्यूटर शिक्षा ग्रहण करवाने का निर्णय लेते हैं।

यद्यपि हमारे देश के सभी विद्यालयों में यह सुविधा उपलब्ध नहीं है और न ही इतने अधिक कम्प्यूटर प्रशिक्षित अध्यापक और विद्यालय हैं कि वह बालिकाओं को कम्प्यूटर शिक्षा प्रदान कर सकें। फलस्वरूप अधिकतर छात्राएं विभिन्न संस्थानों में कम्प्यूटर से जुड़े डिप्लोमा पाठ्यक्रम सीखते हैं, जहाँ उनसे अत्यधिक मात्रा में मनचाही फीस संस्था वाले वसूल करते हैं।

कोई भी राष्ट्र तब तक प्रगति के मार्ग पर आगे नहीं बढ़ सकता, जब तक उस देश में सही शिक्षा का प्रबन्ध न किया जाय। शिक्षा के द्वारा ही राष्ट्र के भावी नागरिकों को तैयार किया जा सकता है। इस दिशा में कम्प्यूटर शिक्षा एक सराहनीय प्रयास है।

यदि कम्प्यूटर शिक्षा के प्रति छात्र-छात्राओं की सकारात्मक या भावात्मक अभिवृत्ति होगी, तो छात्राएं उसके महत्व को समझ सकेंगे एवं सही अर्थों में कम्प्यूटर शिक्षा को ग्रहण कर सकेंगे। कम्प्यूटर शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करने के पूर्व अभिवृत्ति के सम्प्रत्यय को स्पष्ट करना आवश्यक हो जाता है। अतः शिक्षा में कम्प्यूटर के महत्व को देखते हुए शोधार्थी ने अपने विषय का चुनाव उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र-चार्य छात्र-छात्राओं की कम्प्यूटर शिक्षा के अध्ययन अभिवृत्ति को देखने का प्रयास किया गया है।

अध्ययन का उद्देश्य

प्रस्तुत शोध अध्ययन में निम्नलिखित उद्देश्यों का अध्ययन किया गया है-

1. उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र-चार्य छात्र-छात्राओं कम्प्यूटर शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. कंप्यूटर शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण के कारक के रूप में घर पर कंप्यूटर की पहुंच का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. कंप्यूटर शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण पर लिंग प्रभाव के आधार पर अंतर का तुलनात्मक अध्ययन करना।

तालिका 1: उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र-चार्य छात्र-छात्राओं में कम्प्यूटर शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति

Students	N	M	SD	't' value	Remark
Female	200	77.56	9.32	0.38	NS
Male	200	78.2	7.37		

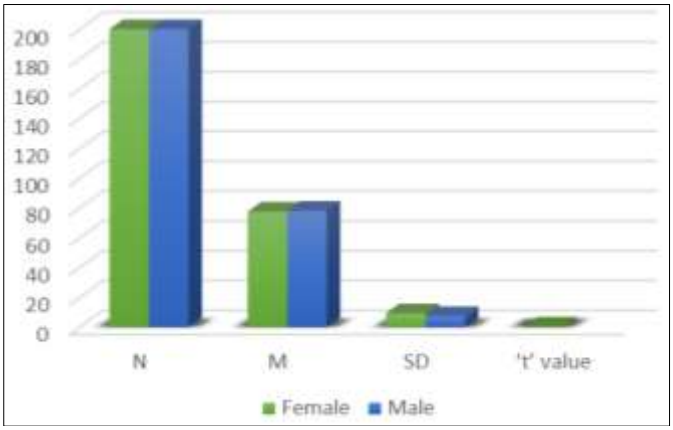

आकृति 1: उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र-चार्य छात्र-छात्राओं में कम्प्यूटर शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं की कम्प्यूटर अभिवृत्ति का टी-मान 0.59 प्राप्त हुआ जो कि सारणीयन मान .05 सार्थकता स्तर पर 1.98 तथा .01 सार्थकता स्तर पर 2.63 से कम है। अतः दोनो ही सार्थकता स्तर पर उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र-चार्य छात्र-छात्राओं में कम्प्यूटर शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नही है, स्वीकृत की जाती है। आंकड़ों के मध्य अन्तर को ग्राफ के माध्यम से निम्न रूप से तालिका में भी प्रस्तुत किया गया।

तालिका 2: कंप्यूटर शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण के कारक के रूप में घर पर कंप्यूटर की पहुंच

घर पर कंप्यूटर की पहुंच	एन	अर्थ	मानक व्यतिक्रम	डीएफ	परिकलित टी	महत्वपूर्ण टी	टिप्पणियां
हां	282	81.48	8.13	375	4.4827	2.589	0.01 पर महत्वपूर्ण नहीं है
नहीं	95	74.37	10.63				

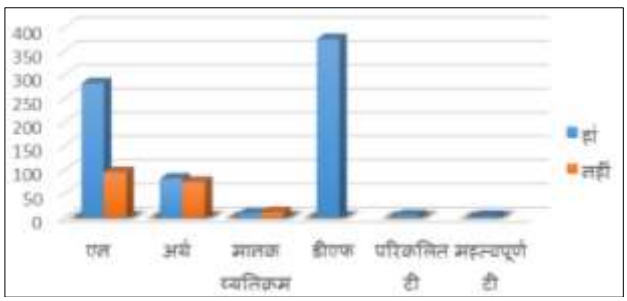

आकृति 2: कंप्यूटर शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण के कारक के रूप में घर पर कंप्यूटर की पहुंच

तालिका 2 का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि कंप्यूटर शिक्षा के प्रति छात्रों के रवैये में एक कारक के रूप में घर पर कंप्यूटर की पहुंच में महत्वपूर्ण अंतर है [t=4.4827, p<.01] जैसे कि शून्य परिकल्पना को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। शोध परिकल्पना यह पता लगाने के लिए की गई थी कि क्या घर पर कंप्यूटर की पहुंच कंप्यूटर शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण पर कोई प्रभाव डालती है। यह पाया गया है कि छात्र के घर में कंप्यूटर की पहुंच का कंप्यूटर शिक्षा के प्रति उनके दृष्टिकोण पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

तालिका 3 का विश्लेषण करने पर, यह दर्शाता है कि कंप्यूटर शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण पर लिंग कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभाता है [t= 0.4032, p >.01]

जैसे कि शून्य परिकल्पना को अस्वीकार नहीं किया जा सकता है। शोध परिकल्पनाओं को यह पता लगाने के लिए प्रस्तुत किया गया था कि क्या कंप्यूटर शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण पर लिंग का कोई प्रभाव पड़ता है। पुरुष और महिला छात्रों में समान गुण होते हैं।

तालिका 3: कंप्यूटर शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण पर लिंग प्रभाव के आधार पर अंतर पर टी-परीक्षण के परिणाम।

लिंग	एन	मीन	मानक व्यतिक्रम	डीएफ	परिकलित टी	क्रिटिकल टी	टिप्पणी
पुरुष	199	79.31	9.77	375	0.4032	2.589	0.01 पर महत्वपूर्ण नहीं है
महिला	177	80.12	8.84				

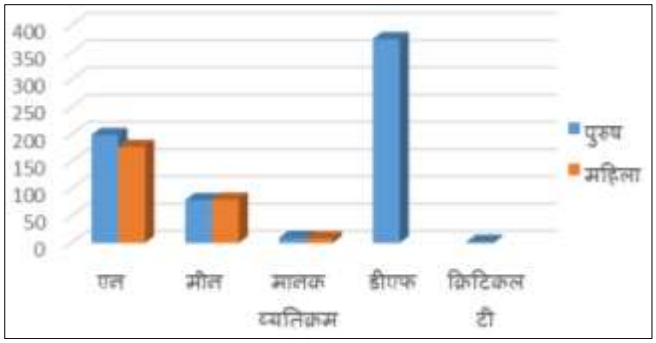

आकृति 3: कंप्यूटर शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण पर लिंग प्रभाव के आधार पर अंतर पर टी-परीक्षण के परिणाम।

तालिका 4: शैक्षणिक उपलब्धि के स्तरों के आधार पर कंप्यूटर शिक्षा के दृष्टिकोण पर टी-टेस्ट का परिणाम।

शैक्षणिक उपलब्धि के स्तर	एन	मीन	मानक व्यतिक्रम	डीएफ	परिकलित टी	क्रिटिकल टी	टिप्पणी
उच्च कामयाब	104	70.00	9.47	375	8.048	2.589	0.01 स्तर पर महत्वपूर्ण
कम कामयाब	273	45.29	8.84				

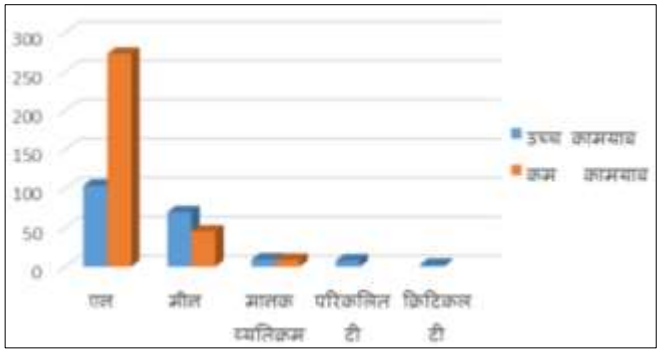

आकृति 4: शैक्षणिक उपलब्धि के स्तरों के आधार पर कंप्यूटर शिक्षा के दृष्टिकोण पर टी-टेस्ट का परिणाम।

तालिका 4 का विश्लेषण करते हुए, यह देखा जा सकता है कि कंप्यूटर शिक्षा के प्रति उनके दृष्टिकोण में शैक्षणिक उपलब्धि के विभिन्न स्तरों से महत्वपूर्ण अंतर है [टी = 8.0483, पी <.01] जैसे कि शून्य परिकल्पना को स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

तालिका 5: शैक्षणिक उपलब्धि के आधार पर कंप्यूटर शिक्षा के दृष्टिकोण पर टी-टेस्ट का परिणाम।

शैक्षणिक उपलब्धि के संबंध में कंप्यूटर रवैया	एन	मीन	मानक व्यतिक्रम	डीएफ	परिकलित टी	क्रिटिकल टी	टिप्पणी
कंप्यूटर शिक्षा	377	79.69	9.34	375	5.939	2.589	0.01 स्तर पर महत्वपूर्ण
शैक्षिक उपलब्धि	377	52.11	14.26				

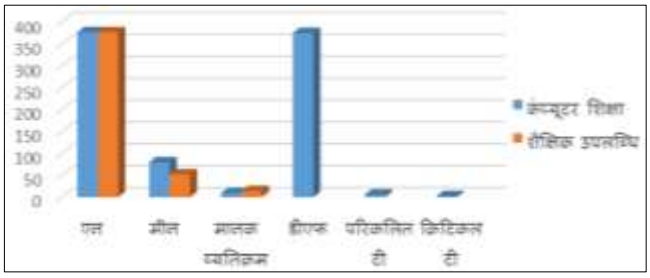

आकृति 5: शैक्षणिक उपलब्धि के आधार पर कंप्यूटर शिक्षा के दृष्टिकोण पर टी-टेस्ट का परिणाम।

तालिका 5 का विश्लेषण करते हुए, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि उनकी शैक्षणिक उपलब्धि के संबंध में कंप्यूटर शिक्षा के प्रति छात्रों के रवैये में महत्वपूर्ण अंतर है [टी= 5.939, पी <. 01] क्योंकि इस तरह की शून्य परिकल्पना को स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

निष्कर्ष

कंप्यूटर और शैक्षणिक उपलब्धि के प्रति दृष्टिकोण के अध्ययन में, अधिकांश छात्रों के पास घर पर कंप्यूटर का उपयोग करने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण है। कुल मिलाकर छात्रों में बिना किसी लिंग भेद के सकारात्मक दृष्टिकोण है। विभिन्न स्कूल बोर्डों ने रवैये में कोई अंतर नहीं दिखाया। एक उच्च शैक्षणिक उपलब्धि प्राप्त करने वाले का सकारात्मक दृष्टिकोण कम शैक्षणिक उपलब्धि वाले की तुलना में बेहतर होता है। हालाँकि, छात्रों ने जिस प्रकार के स्कूलों में भाग लिया, उनके दृष्टिकोण में अंतर दिखाई दिया। सकारात्मक कंप्यूटर शिक्षा दृष्टिकोण वाले छात्रों की उपलब्धि में सकारात्मक प्रभाव पड़ा। छात्र ने जिस स्कूल बोर्ड में भाग लिया, उसका कंप्यूटर के प्रति रवैये पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

संदर्भ

1. मेहता अंजू और अमनदीप कौर (2015)। स्कूली छात्रों के संगठनात्मक माहौल के संबंध में अकादमिक उपलब्धि का एक अध्ययन, मानवता विज्ञान अंग्रेजी भाषा के लिए विद्वान अनुसंधा , खंड 2, संख्या , 10।
2. मिया अबू सईद (2015)। मालदा जिले के माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि के संबंध में स्कूल पर्यावरण का प्रभाव , कला और शिक्षा में अनुसंधान के अभिनव राष्ट्रीय मासिक रेफरी जर्नल , खंड 4, अंक 7।
3. बाबू, एम. रवि. (2015)। माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की सीखने की शैलियाँ, मानविकी, कला, चिकित्सा और विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, खंड 3, अंक 6।
4. बकर, नोरसुहेली अबू और मुदस्सिर इब्राहिम उसैनी (2015)। कुआला तेरेंगानु , मलेशिया में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर स्कूल पर्यावरण का प्रभाव, 21 वीं सदी में इस्लामी सभ्यता को सशक्त बनाने पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, यूनिवर्सिटी सुल्तान ज़ैनल आबिदीन, मलेशिया।
5. प्रिया, के जोसेफिन और टी.एस. रंगनाथ (2015)। मेडिकल अंडरग्रेजुएट छात्रों की लर्निंग स्टाइल प्रेफरेंस का आकलन: एक क्रॉस-सेक्शनल स्टडी, इंटरनेशनल ऑफ जर्नल मेडिसिन एंड पब्लिकहेल्थ, वोओ 1.1।, अंक 2।
6. पोर्गियो जी., एम. मैरी और मंजुला रोज़ (2015)। स्कूलों के भौतिक वातावरण के संबंध में हाई स्कूल के छात्रों की अकादमिक उपलब्धि, एप्लाइड रिसर्च के इंटरनेशनल जर्नल , वॉल्यूम 1, नंबर 4।